के वि वि आयोग
CERC

सौदामिनी

जनवरी – मार्च, 2019 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–20

केविविआ में नव वर्ष 2019 के शुभागमन के अवसर पर बैठक का आयोजन

नव वर्ष 2019 के शुभागमन पर दिनांक 01.01.2019 को सम्मेलन कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में आयोग के माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यगण ने समस्त स्टाफ को संबोधित किया तथा आयोग की उपलब्धियों एवं आगामी कार्य–योजना पर परस्पर विचार–विमर्श किया। इस अवसर पर सभी स्तर के स्टाफ सदस्यों ने अपनी उपलब्धियों के साथ–साथ अपने लक्ष्यों के निर्धारण के बारे में संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। इस बैठक में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया और अपने विचारों का आदान प्रदान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. राजेन्द्र प्रताप सहगल द्वारा किया गया।

नव वर्ष के शुभावसर पर वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ सदस्यों के बीच विचार–विमर्श : कुछ झलकियां

के वि वि आयोग
CERC

सौदामिनी

जनवरी – मार्च, 2019 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–20

के.वि.वि.आ. परिसर में गीत संध्या समारोह का आयोजन – 19 मार्च, 2019

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग परिसर में **गीत संध्या समारोह का आयोजन** 19 मार्च, 2019 को किया गया। इस अवसर पर सभी स्तर के स्टाफ सदस्यों ने अपनी कविताओं एवं गीतों के मधुर गायन से सभी उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। राजभाषा के प्रचार–प्रसार एवं समस्त स्तर के अधिकारियों/कर्मचारियों में साहित्यिक गीतों के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से इस आयोजन में प्रतिभागियों द्वारा गीतों एवं स्वरचित कविताओं का पाठ किया गया। इस कार्यक्रम आयोग के माननीय अध्यक्ष महोदय, सदस्यगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. राजेन्द्र प्रताप सहगल द्वारा किया गया।

गीत संध्या समारोह : कुछ झलकियां

के वि वि आयोग
CERC

सौदामिनी

जनवरी – मार्च, 2019 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–20

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक – 20 मार्च, 2019

मार्च, 2019 को समाप्त राजभाषा कार्यान्वयन की समिति की तिमाही बैठक दिनांक 20.03.2019 को श्री सनोज कुमार झा, सचिव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित सदस्यों के साथ सामूहिक चर्चा के दौरान राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अनुपालन, तिमाही प्रगति रिपोर्ट में किए जाने वाले आंकड़ों से समुचित रिकार्ड रखे जाने, विभागीय प्रोत्साहन योजनाओं के कार्यान्वयन, समस्त स्टाफ को हिंदी में कार्य करने के लिए सहायक सामग्री वितरित करने तथा बनाए गए मानक पत्रों व मसौदों के प्रारूप के प्रयोग को सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। इस बैठक में समिति के अध्यक्ष महोदय द्वारा गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के लिए समयबद्ध कार्यक्रम बनाने का निर्देश भी दिया। उन्होंने अलग–अलग प्रभागों के प्रभारी से हिन्दी प्रगति की जानकारी प्राप्त की। इस बैठक में समिति के समस्त सदस्यों ने सहभागिता की।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक के दौरान विचार विमर्श

भारत डिजिटलीकरण की ओर

पुरस्कृत

भारत के दूर दराज गांव में बैठा व्यक्ति आज ऑनलाइन वेबसाइट से मेट्रो शहरों में उपयोग होने वाली वस्तुएं आसानी से मंगा लेता है और उसे अब पैसे निकालने के लिए दूर निकट शहर की ओर नहीं जाना पड़ता क्योंकि वॉलेट पेमेंट, यूपीआई की सुविधा से किसी के खाते में पैसा हस्तांतरण करना चुटकियों वाली बात हो गयी है। और ये सब संभव हुआ है डिजिटलीकरण से। आज व्यक्ति का अंगूठा उसकी पहचान बन गया है। एक अंगूठा लगाया और आधार से जुड़े सभी कार्य पलक झपकते हो जाते हैं। आज का भारत तेजी से बदल रहा है और इस डिजिटलीकरण की वजह से सभी वर्ग, रंग, वर्ण, जाति के लोग कधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं।

डिजिटलीकरण होने से न केवल कोई भी कार्य आसानी से पूर्ण हो रहा है वरन समय की बचत कर रहा है और तेजी से मानव समाज को विकसित कर रहा है। अमेजन, फ्लिपकार्ट, पेटीएम, वाट्सअप, फेसबुक आज समाज के सामान्य शब्द हो गए हैं और व्यक्ति के समाज का दायरा उसके गली गांव से निकलकर वैश्विक हो गया है। संपूर्ण विश्व वसुधैव कुटुम्बकम सा प्रतीत होने लगा है। सरकार की सारी सुविधाएं घर बैठे मिलने लगी है। फलस्वरूप भ्रष्टाचार कम होने लगा है।

उपर्युक्त से यह प्रतीत होता है कि डिजिटलीकरण ने मनुष्य के जीवन के कार्यों को आसान बना दिया है जिससे वह अपना ध्यान मनुष्यता में केन्द्रित कर सके। वह समाज के विकास में तेजी से योगदान कर सकता है।

परन्तु ऐसा पूर्ण रूप से नहीं हो रहा है बल्कि डिजिटलीकरण ने समाज को एक तरफ वरदान दिया है तो दूसरी तरफ अभिशाप दिया है। आज डिजिटलीकरण की वजह से अफवाहें तेजी से फैलने लगी है और समाज की जो बुराई सीमित दायरे में थी उसका भी वैभवीकरण होने लगा है। लिचिंग जैसी घटनाएं बढ़ने लगी हैं। लोगों का संपूर्ण ध्यान अपने आसपास

के वि वि आयोग
CERC

सौदामिनी

जनवरी – मार्च, 2019 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–20

के लोगों से हटकर आभासी दुनिया में रह गया है। आज हर व्यक्ति अपने मोबाइल में ही लगा रहता है। आज कोई सफर का साथी नहीं बनता, सभी लोग अपने कानों में ईयरफोन लगाए अपनी दुनिया में मस्त रहने लगे हैं। एक दूसरे को भड़काने वाली विडियों या पोस्ट वाट्सअप, फेसबुक में फैलाकर समाज की एकता को भंग कर रहे हैं। सांप्रदायिक ताकतों को डिजिटलीकरण ने एक खतरनाक हथियार प्रदान किया है। इस डिजिटलीकरण ने मनुष्य को दुनिया से जोड़ दिया है परन्तु अपने आसपास से दूर कर दिया है। इसका प्रभाव न केवल समाज को बल्कि भारत देश को भुगतना पड़ रहा है। अर्बन नक्सलाइट, जैसे शब्द तेजी से लोकप्रिय होने लगे है। लोगों को भाईचारा में विश्वास कम होने लगा है जिससे मनुष्य और तेजी से आभासी दुनिया की तरह आकर्षित हो रहा है।

इतनी बुराइयों के बावजूद भारत डिजिटलीकरण ने भारत के विकास में तीव्रतर योगदान प्रदान किया है। डिजिटलीकरण ने आम जनता को सभी प्रकार की सूचना उपलब्ध कराई है। डिजिटलीकरण ने डाइरेक्ट ट्रांसफर बेनिफिट जैसी सहूलियत प्रदान की है जिससे भ्रष्टचार में बहुत कमी आ रही है। आज सभी सूचनाएं ऑनलाइन उपलब्ध है जिससे समाज में पारदर्शिता बढ़ी है। और समाज का सरकार व लाकतंत्र में विश्वास बढ़ रहा है। गांव में बैठा बालक केवल एक कंप्यूटर या मोबाइल के द्वारा अमेरिका के हार्वड जैसे विश्वविद्यालयों का ज्ञान लेने में सक्षम हुआ है। किसान भी इन्ही सूचनाओं का प्रयोग करके अपने खेती में विकास कर रहे हैं। और अब समाज में डिजिटलीकरण की वजह से बेवकूफ बनाना आसान नहीं है।

जब संपूर्ण भारत पूर्ण रूप से डिजिटल हो जाएगा तो यहां की जनसंख्या और ज्ञान भारत को वैश्विक गुरू बनने से नहीं रोक पाएगा और अपना भारत फिर से सोने की चिड़िया बन जाएगा।

(नीरज सिंह गौतम)
अनुसंधान अधिकारी (वि.मा.)

महंगाई को कोसना छोड़ उसका गुणगान करें

व्यंग्य लेख

लोग पता नहीं क्यों महंगाई को लेकर हाय–तौबा मचाते रहते हैं। मेरी बात पर उबलना छोड़ कर थोड़ा ध्यान से सोचने की जरूरत है। दरअसल सरकार को लगता है कि सिर्फ महंगाई से ही समाजवाद लाया जा सकता है। कारें–कंप्यूटर सस्ता होती है तो उच्च वर्ग का स्तर गिरता है। फल–सब्जियां या आटा–दाल महंगी होती है तो निचले तबके का स्तर उठता है। जब से आलू–कद्दू का भाव बढ़ा है तब से बेवकूफ को आलू–कद्दू भी नहीं कहा जा सकता। वह इसे अपमान समझने की जगह प्रशंसा समझ सकता है। महंगी चीज की इज्जत होती है। उसे ईर्ष्या भाव से देखा जाता है। पहले काजू–बादाम–किशमिश खाने वाले को खाता पीता समृद्ध व्यक्ति माना जाता था। अब दोनों वक्त रोटी के साथ सब्जी खाने वाले के आय के स्रोतों की जानकारी जुटाने का भाव जगने लगता है।

दरअसल पिछले कुछ सालों से लोगों ने महंगाई पर बात करने को पिछड़ापन मान लिया था। महंगाई को अपनी इस उपेक्षा का बदला लेना ही था। महंगाई ने अपना मुंह सुरसा की तरह इतना बड़ा कर लिया कि उसे लोगों को समूचा निगलने की उतावली हो गई। जब लोगों को बेचेनी होती है तो वह सरकार को कोसती है। सरकार ने ऐसे आड़े वक्त के लिए अपने पुराने अचूक तर्क कि हमारे पास कोई जादू की छड़ी नहीं है, का ब्रह्मास्त्र छोड़ा। महंगाई सबको बराबर कर देती है। पिज्जा बर्गर खाने वाले भी कभी–कभी जायका बदलने के लिए महंगाई–महंगाई कर लेते हैं। दाल–रोटी खाने वाले इस विलासितापूर्ण सामग्री के भक्षण को छोड़ महंगाई को ही खाने लगते हैं।

महिलाएं सास–ननद की बुराई से बोर होकर महंगाई की चर्चा कर रही हैं। वे एक दूसरे को जलाने के लिए एक दूसरे से ईर्ष्या करते हुए मुंह बिचका रही है। महंगाई ने सभी को एक कर दिया है। जो महंगाई अभी तक हाशिये पर रहने को अभिशप्त थी जब केन्द्र में आकर अपनी सतत चर्चा पर इतरा रही है। बड़े बड़े अर्थशास्त्री पहले ही कह चुके हैं कि महंगाई हमारे उठते स्तर और आर्थिक विकास की सूचक है। सस्ती चीज खाने से आदमी खुद को तुच्छ और हीन समझने लगता है। पहले काजू–बादाम ही श्रेष्ठ वर्ग में आता था। अब सेब खाना भी आभिजात्य वर्ग में शामिल होना कहा जा सकता है। कम खाना वैसे भी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। कहीं ऐसा न हो कि सरकार दाल–सब्जियों–फलों का नियमित सेवन करने वाले लोगों की सूची तैयार कर उन पर जांच की कार्रवाई का मन बना ले। ऐसे में मेरा तो यही सुझाव है कि महंगाई का रोना धोना बंद करें और अपने जीवन स्तर में आए उत्थान से गौरवान्वित महसूस करें।

(राजेन्द्र प्रताप सहगल)
राजभाषा अधिकारी

संरक्षक
इंदु शेखर झा
सदस्य

संपादक मंडल
सनोज कुमार झा, सचिव
सचिन कुमार, सहायक सचिव (का.एवं.प्र.)
राजेन्द्र सहगल, राजभाषा अधिकारी

कृपया इस पते पर अपनी प्रतिक्रिया भेजें :
केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग
भूतल, चन्द्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ,
नई दिल्ली–110001
Email : info@cercind.gov.in

www.cercind.gov.in